

हर वर्ष की भारती 26 फरवरी 2025 को इज्जूरा खुर्द में मेला का आयोजन किया जाएगा पूरे खागा सदर तहसील के क्षत्रिय समाज रहेंगे इकट्ठा

लोकमित्र व्यूरो

फलेहपुरा खागा तहसील क्षेत्र के विकास खंड ऐरेयां की ग्राम पंचायत इज्जूरा खुर्द में खेत जुताई के समय भगवान श्री पचमुड़ी महादेव जी की मूर्ति मिली थी, इसी दिवस पर ताने वाले चतुर्थ मेले की तैयारी युद्ध स्तर पर जारी है। जोताई के समय महादेव जी की मूर्ति निकलने के स्थान पर मेला आयोजित दिवास प्रताप सिंह की देखरेख में भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

परिवर्तन निर्माण में बहेरा सादात के शहवाह आदी प्रब्रह्म का बड़ा सहयोग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार मेले में हजारों की संख्या में लोग आते हैं लेकिन इस बार मेले में ग्रामीणों को मंदिर के दर्शन भी होता है। बताते चले कि लगभग तीन वर्ष पूर्व इसी गांव में आलू के एक खेत में ट्रैक्टर से जोताई के महादेव जी की मूर्ति प्रकट हुई थी जिसकी खबर लगती ही भारी सख्ती में भीड़ मूर्ति



दर्शन के लिए एकत्र हो गई थी, महादेव जी की मूर्ति के स्थान पर 26 फरवरी 2025 से मंगलवार को कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हस्ता लेते हैं। इससे पूर्व वे कार्यक्रम खुले आसमान के नीचे होता था लेकिन इस बार ग्रामीणों के सहयोग से मेला कमेटी के अध्यक्ष टाकूर दिवास

किया गया था। उसी परंपरा को कायम रखते हुए ग्रामीण हर वर्ष इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हस्ता लेते हैं। इससे पूर्व वे कार्यक्रम खुले आसमान के नीचे होता था लेकिन इस बार ग्रामीणों के सहयोग से मेला कमेटी के अध्यक्ष टाकूर दिवास

दबंग भाइयों ने घर उलाहना देने पूर्व युवक को पीटकर किया घायल

चायल, (कौशाम्बी)। संदीपन घाट थानाक्षेत्र के काजीपुर गांव में शनिवार की शाम दो भाइयों ने उलाहना देने गये एक युवक को जमकर पीट दिया। पिंडाई से उसके कामी चोटें आईं। शेर सुनकर मौके पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घायल ने थाने जाकर अपराधी को देखा। जामकर पर जाने से इकार करने पर वह उसके साथ गाली गलौज करने लगा। शाम को घर लौटने पर सीमी ने पात से उस युवक की शिकायत की। पिंडाई से नैसल तैरा में आकर उसके घर उलाहना देने पहुंच गया। आरोप है कि उलाहना देने पर युवक ने भाई के मिलकर उसके पीटकर कर दिया। पिंडाई से उसको कामी चोटें आईं। शेर सुनकर मौके पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घायल ने थाने जाकर अपराधी भाइयों के खिलाफ घटना की तहीरी दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

काजीपुर गांव निवासी नैसल पुत्र नक्क भजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसके अनुसार शनिवार को बड़े भजदूरी करने वाले चाले गया था। उसकी पांच संगती देवी किसी काम से तेरा मील गई थी। इसी दौरान गांव का एक युवक उसे मिला और साथ में काम पर चलने को कहा। काम पर जाने से इकार करने पर वह उसके साथ गाली गलौज करने लगा। शाम को घर लौटने पर सीमी ने पात से उस युवक की शिकायत की। पिंडाई से नैसल तैरा में आकर उसके घर उलाहना देने पहुंच गया। आरोप है कि उलाहना देने पर युवक ने भाई के मिलकर उसके पीटकर कर दिया। पिंडाई से उसको कामी चोटें आईं। शेर सुनकर मौके पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घायल ने थाने जाकर अपराधी भाइयों के खिलाफ घटना की तहीरी दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

दबंग युवकों ने छेड़खानी का विरोध करने पर युवक को पीटा

कसेंदा, (कौशाम्बी)। पिंडाई कोतवाली के एक गांव में शनिवार की शाम बहन के साथ छेड़खानी का विरोध करने पर दबंगों ने एक युवक को जमकर पीट दिया। पिंडाई से उसको कामी चोटें आईं। शेर सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामला को शांत कराया। घायल युवक ने थाने जाकर मामले की तहीरी दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों में चले लाठी डंडे, पूर्व प्रधान सहित परिवार के कई लोग जखी हो गए। पिंडित पिंड के पुत्र ने सैनी पुलिस को तहरीर देकर पड़ोसियों पर कार्यवाही की मांग की है। इधर दूसरे पक्ष से भी पूर्व प्रधान व उनके परिवार के लोगों पर मारीपीट का आरोप है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज



लोकमित्र व्यूरो

कौशाम्बी। महाकृष्ण 2025 के अवसर पर आज प्रेम गौतम पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिषेक्त्र, प्रयागराज द्वारा जनपद में श्रद्धालुओं के सुधाम को धूमधार का अवधारणा द्वारा शांत कराया गया। जामकर पर जाने से इकार करने पर वह उसके साथ गाली गलौज करने लगा। शिकायत की जांच में जुट गई है।

कौशाम्बी

महिला के साथ पिटाई करने के दो आयोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लोकमित्र व्यूरो

चायल, (कौशाम्बी)। चरवा थानाक्षेत्र के धमसेडा गांव में मिलिया की पिटाई के मामले में पुलिस ने दो आयोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। धमसेडा गांव की सीमा देवी के मुताबिक बुधवार की शाम वर घर पर काम कर रही थीं। इसीं में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए देखा जा रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि हम सब भागवानी हैं जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों का भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महादेव जी की मूर्ति मिली हुई और हम सब को उसके दर्शन का अवसर मिला है। चौथी बार वे मेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। इसीं में हजारों की संख्या में भेला और मूर्ति दर्शन के लिए काम करते हुए चले गए हैं। ग्रामीणों की भागवानी है जहाँ भगवान महाद

सम्पादकीय

सम्पादकीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणा के अनुसार कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की है। उन्होंने शांति वार्ता को जमीन पर उत्तरने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत की। इसी का परिणाम है कि मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री शांति वार्ता का प्रारूप तैयार करने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का यूक्रेन के संबंध में उड़ाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है और इसमें यूरोप के साथ गहराते मतभेदों के संकेत हैं। अगर ट्रंप युद्ध समाप्ति की दिशा प्रयास कर रहे हैं तो उनके प्रयास की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि इस युद्ध में यूक्रेन ने बहुत तबाही मोल ली है। इसलिए इसे रुकना ही चाहिए। बाइडन ने पुतिन को 'हत्यारा तानाशाह' कहा था और युद्ध को भड़कने का आरोप लगाया था। दूसरी ओर यूरोपीय नेताओं ने सोमवार को पेरिस में आपातकालीन बैठक कर यूक्रेन मुद्दे पर एक संयुक्त मोर्चा बनाने पर चर्चा की। वास्तव में ट्रंप की यूक्रेन पर बवंदर नीति ने यूरोप और स्वयं यूक्रेन के सामने हशिये पर जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को सऊदी अरब में आयोजित शांति वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। नतीजतन शांति वार्ता की सफलता संदिग्ध है। जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय देश रूस के साथ अपने विरोधपूर्ण संबंधों के कारण उसके आगे समर्पण करना नहीं चाहते। यूरोपीय देश यूक्रेन को हारता देखना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें यह समझ में क्यों नहीं आता कि अपनी थोड़ी सी सहायता के बल पर यूक्रेन को युद्ध में झोंके रखना वस्तुतः कीव को विनाश के कगार पर पहुंचाना है। अमेरिका में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद पर तुलसी गबार्ड की नियुक्ति पर मोहर लगने के बाद यूरोपीय देशों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें युद्ध विरोधी नेता माना जाता है। भारत शुरू से युद्ध समाप्त करने के पक्ष में खड़ा रहा है। अभी पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की यात्रा के दौरान यूक्रेन पर अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत तटस्थ नहीं रह सकता। भारत रूस को अपना विस्नीय सहयोगी मानता है और वह किसी भी ऐसे कदम का स्वागत करेगा जो चीन और उसके गहराते संबंधों पर लगाम लगाए।



मनोज कुमार अग्रवाल

दश के बाबत न हस्सा में उच्च शक्षियत संस्थानों के केम्पसों से लगातार क्षेत्र नस्ल रंग भेद को लेकर सहपाठी छात्राओं के साथ अमानवीयता भवन दुर्व्यवहार करने के समाचार आए रहते हैं। इन का सबसे दुखद पहला यह है कि कई मामलों में पीड़ित छात्राओं उत्पीड़न से तग आकर सुसाइट जैसे कदम उठा रहे हैं। यह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक विषय है। सवाल उठता है कि हमारे केम्पसों का माहौल टार्चर सैनटर में तब्दील क्यों हो रहा है? सीनियर छात्र जूनियर छात्रों को रैंगिंग के नाम पर उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की हड्डें पार क्यों कर रहे हैं? ताजा मामलों में ओडिशा वेल्स भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के हांस्टल में एक नैपाली छात्रा का शव बरामद हुआ। आरोप लगाया गया है कि विनैपाली छात्रा को उत्पीड़न कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। इस मामले में अबतक 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। छात्रा के बैचमेंट भारतीय छात्र के साथ ही मंगलवार को के आइआईटी के तीन डायरेक्टर और दो सिक्योरिटी गार्ड्स को अरेस्ट किया गया। वहीं एक अन्य घटना कर्नाटक के एक मेडिकल कॉलेज में कशमीरी छात्र के साथ मारपीट और

कालेज कैम्पस यातनागृह में क्यों तब्दील हो रहे हैं

रैंगिंग की सामने आयी है। अनन्तनानग जम्मू-कश्मीर के रहने वाले सेकेंड ईयर के एमबीबीएस छात्र हमीम के साथ अल-अमीन मेडिकल , विजयपुरा में मंगलवार को क्रिकेट मैच के दौरान यह घटना घटी। 2019 बैच के सीनियर छात्रों ने हमीम को रैंगिंग का शिकाय बनाया, उसे धमकाया और मारा-पीटा। उन्होंने उसे जबरन माफी मांगने का वीडियो भी रिकॉर्ड करवाया। जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने इस घटना की निंदा की है और कर्नाटक के मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। आपको याद हो हाल ही में 15 जनवरी को कोच्चि के त्रिपुरीधारा में 15 साल के एक नाबालिग छात्र मिहिर ने हास्टल की छब्बीसवी मंजिल से छलांग लगा कर जान दे दी थी आरोप है उसे रंगभेद की वजह से सहपाठियों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। इस से पहले गुजरात के एक मेडिकल कालेज में एमबीबीएस छात्र अनिल मेघानिया को सीनियर छात्रों द्वारा रैंगिंग के नाम पर तीन घंटे लगातार डांस करने के लिए मजबूर किया गया छात्र की मौत पर ही मौत हो गई थी। यह मामले तो नमूना भर हैं आए दिन हमारे कालेज केम्पसों से शारीरिक मानसिक दैहिक शोषण की खबरें आ रही हैं। आपको बता दें कि नैपाली छात्रों से जुड़े ताजा मामले की जांच के लिए ओडिशा सरकार ने मंगलवार को गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव और उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव वाली हाई लेवल फैक्ट फाइंडिंग कमटी का गठन किया है। दरअसल, 16 फरवरी की शाम बी-टेक थर्ड ईयर की स्टूडेंट प्रकृति लामसाल का शब कॉलेज के हॉस्टल में मिला था। कहा गया कि उसने आत्महत्या की है। छात्रों की मौत पर



कलेज के अन्य इंटरनेशनल छात्रों यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रवृत्ति के बैच का ही भारतीय छात्र उस प्रताड़ित कर रहा था। दाव है कि छात्र लड़की का बॉयफ्रेंड था स्टूडेंट्स का कहना है कि शिकायतें के बाद भी यूनिवर्सिटी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। छात्रों ने यह आरोप भी लगाया कि यूनिवर्सिटी ने मामले को दबाने की कोशिश र्थी की। मीडिया पर वायरल एक विडियो में दाव किया गया है कि कलेज की दो टीचर्स ने नेपाली छात्रों से बहस की। एक टीचर ने कहा कि हमारे कलेज 40 हजार लोगों को फी में बैठा के पढ़ा-खिला रहा है। दूसरी ने कहा कि इतना तुम्हरे देश का बजट नहीं होगा। वहीं, सोशल मीडिया पर यूनिवर्सिटी के नेपाली छात्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि लड़के का मर्डर किया गया था। एक झंपोस्ट में शेयर किए गए वॉट्सऐप चैट के स्क्रीनशॉट के मुताबिक, आरोपी लड़के ने यूनिवर्सिटी की सेंट्रल लाइब्रेरी में लड़की को मोलेस्ट किया। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई इसके बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उसके शव को ले जाकर उसके हॉस्टल के कमरे में रख दिया जिससे

ये सुमाइद दिखे। इसके अलावा ए.ए. औडियो में दावा किया गया है कि यूनिवर्सिटी ने करीब 800 छात्रों को ऑडिटोरियम में बैठगया और उन्होंने फोन जब्त किए, ताकि वे इस मामले को लेकर किसी से बात न कर सकें। इस घटना के बाद यूनिवर्सिटी ने पढ़ने वाले नेपाल के छात्रोंने कॉलेज प्रशासन पर मामले को दबाने वाले आरोप लगाया। स्टूडेंट्स ने कहा कि हम रविवार रात यूनिवर्सिटी वै-इंटरनेशनल ऑफिस गए और रात भर धरने पर बैठ रहे। इसके बाद सोमवार को हमें हॉस्टल से बाहर निकाल दिया गया। एक छात्र ने बताया कि हम लोग प्रदर्शन कर रहे थे। यूनिवर्सिटी स्टाफ आए और हॉस्टल खाली करने वाले कहा। जो लोग जल्दी से सामान पैच नहीं कर रहे थे, उन्हें मारा गया। हम जबरन हॉस्टल खाली करने पर मजबूर कर दिया गया। दो बसों पर भरकर हमें कटक रेलवे स्टेशन पर उतार दिया गया। ओडिशा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के हॉस्टल में 16 फरवरी की शाम बी-टेक थर्ड ईयर की नैपाली स्टूडेंट प्रकृति लामसाल का शास्त्र कॉलेज के हॉस्टल में मिला था। कहा गया कि उसने आत्महत्या की है।

सराफार



लिव-इन एलटरनारिप का मान्यता क्षेत्रों जायज़

बहुतायत में देखने मिलत हा। वयाँ
वहाँ की संस्कृति इस प्रथा को सह
ही स्वीकार करती है। वहाँ
लाइफ़स्टाइल भी कुछ इसी तरह
है। भारत में भी कुछ वर्षों से इस
व्यवस्था को सपोर्ट मिला है।

इन रलशनाशप-जसम जाड़
शादी किए एक साथ रहते हैं-भ
समाज और कानून में उ
स्वीकार्य हो गए हैं। अतीत में भ
समाज पारंपरिक मूल्यों पर आ
था और प्रतिबद्ध रितें का ए

ना-
यक
येर
रेत
त्र

मान्यता दा अर उन्ह विभिन्न प्रवर्गीकृत किया। भारत के न्यायाधीश ने रेखांकित किया साथी चुनने और घनिष्ठ स्थापित करने की स्वतंत्रता र के मुक्त भाषण और अधिक्ष

बाल लागा दाना पर लागू है
एक साथ रहने का निर्णय है
अपने रिश्ते को यूसीसी के
और अंत में पंजीकृत कर
यदि वे औपचारिक रूप
रिश्ते को स्थापित करना च

साथ ही लगा कि निज
अधिक आधिकारिक नियम
जा रही है। नये नियमों
और धर्मों के बीच
संभावित बाधाएँ उत्पन्न होती हैं। आपका

कृसी का काला खेल, संगीत का उजला नेल

जिंदिगी मानो दो परस्पर विरोधी धाराओं का अखाड़ा है—एक ओर वह जो सत्ता की पिपासा में अपने कंठ को फाड़कर चौखटा है, दूसरी ओर वह जो अपने सुरों की मलहर से रुह को अमृतपान करता है। राजनीति वह दलदल है, जहाँ साजिशों की बेलं विषवृक्ष बनकर लहरती हैं, गठबंधों का सौदा होता है, और अवसर मिलते ही विश्वसनीयता को तिलांजलि दे दी जाती है। इसके टीक विपरीत, संगीत एक ऐसी निझरणी है, जो लोभ-मोह की मर्यादाओं से परे, बिना किसी छल-प्रपञ्च के हृदयों को सुरों की अटूट डोर में बाँध देती है। न विश्वासघात, न छलाबा—बस एक ऐसी रागिनी जो आत्मा को मधुर आतिंगन में भर लेती है। किंतु विधि का यह कटु सत्य है कि सत्ता का भूत जब किसी पर सवार होता है कि भाई-भाई की पीठ में छुरा घोंप देता है, जबकि सुरों का सच्चा साधक अपने शिष्य को स्वर-सिंधु में डुबोकर उसे अनंत ऊँचाइयों तक पहुँचा देता है। राजनीति का असली मज़ा तो उसकी बेशर्मी में हुआ है। कल जो एक दरबार में चरणों में लोट रहे थे, आज दूसरे की चप्पलें चूमते नज़र आते हैं। कोई बड़ा भाई बनकर पीठ में खजर मारता है, तो कोई मुलायम की चौखट छोड़कर मोटी के डेरे में ढुकपे लगाता है। यहाँ न गुरु-शिष्य की मर्यादा, न कोई पवित्र रिश्ता—बस सैदेबाजी की सुई टनटनाती रहती है। मगर संगीत की दुनिया में ऐसा कहाँ? वहाँ उस्ताद च्छान्न-सा अड़िग खड़ा रहता है, और शारिंद उसकी छाँव में पनपता-चमकता है। उस्ताद कोई ढोरी बाबा नहीं, जो गले में तावीज टाँगे घूमे; वह तो सुरों का जादूगर है, जो ऐसी माला गूँथता है कि सीधे ऊपरवाले के दरबार में पहुँच जाए। राजनीति का ढोल ऐसा बेसुरा कि मज़हब के नाम पर चिंगारियाँ भड़काए, और उसकी राख से अपनी गंदी ढुकान चलाए। किसी शानदार निशानी को अपने हिसाब से रो दो, किसी बुलंद छाया को ज़मीन में मिलाने की साजिश रचो—ये सब इनके घटिया तमाशे हैं, बस भीड़ को टाने का धंधा। मगर जरा संगीत की तरफ आँख उठाकर दिखाओ! किसी उस्ताद की शहनाई को मज़हब की तलबार से चीरो, किसी सितार की झँकार को हिंदू-मुसलमान की कसैटी पर करो—है हिम्मत तो करो! तानसेन की रागिनियों में आग की लप्तें मुलगाओ, रसखान की बाँसुरी छीनकर उसकी धुन को कुचल दो—सुरों का

ज़ार नहा टूटगा, तुम्हारा गदन का अकड़ ज़रूर धूल चाटागा। आत्मा का अमर का खतिब दो, फिर रुह को जूतों तले रौदेने की गुस्ताखी करो—किसी रानी के जज्बे को गढ़ लफजों से तोलो, मगर मियाँ की तोड़ी की लय को तोड़ने का दुस्राहस करके दिखाओ थे कुर्सी के दीवाने हरियाली को अपने छड़े की ओट में ढाँपते हैं, सुनहरे रंग को अपनी चादर में लपेटकर नचाते हैं। मगर इस खुले आसमान में ये रंग आजाव लहराते हैं, इन्हें कौन अपनी गंदी मुद्दी में चाँद कर लेगा? चाँद को अपने मजबूर का बंधक बनाने की ख्रूवाहिश पालो, सूरज को अपनी खेती का ढोंगी नौकर बनाओ—मगर ये दोनों तो सबके साथी हैं। चाँद कभी ईद का हमनवाज़, कभी करवा चौथ का साक्षी; सूरज कभी संक्रांति का मेहमान, कभी गुरु का चमकता चेहरा—इनके सामने तुम्हारी सारी चालें बेमानी हैं, बस हवा में फूसफुसाती रह जाती हैं ज़िंदगी का असली मज़ा तो जुगलबदी में हुआ है। कोई स्वर की मिहास बिखेरे या कोई गायक की गहराई से रुह को थामे—दोनों मिलकर दिल को लङ्घ कर देते हैं। चाहे कोई पंडित तान छेड़, चाहे कोई खान धुन उड़ाए—सुओं की दुनिया में ऊँच-नीच का झ़मेला कहाँ? सितार की तारें हों या तबले की थाप—जब साथ में गूँजते हैं, तो मुँह से बस वाह-वाह ही फूटता है। रैना बीती जाए—ये मियाँ की तोड़ी का ऐसा जादू है, जिसे कुर्सी का कोई पहलवान अपनी धैस की ताकत से भी नहीं मिटा सकता। सुबह की ताज़गी हो मियाँ की तोड़ी, या बारिश की बूँदों में मेघ मल्हार—ये ज़िंदगी के सुर हैं, जो रा-रा में बसते हैं। शिवरंजनी की चुलबुली शरारत हो या यमन की रुहानी सैर-हर साज़ में एक ही रंग समाता है। मालकौस की धुन बजे, तो मन हरि के पीछे नाचने के बेकरार हो जाए। चाहे सरोद की गहरी आवाज़ हो, चाहे शहनाई की सीधी आत्मा तक की पुकार—सब एक ही राग में डूबते हैं, और वो है देस का राग। ये राग न कुर्सी की चापलूसी का गुलाम है, न वोटों की ठेकेदारी का भिखारी। ये तो बस यूँ ही बहता है, जैसे बादल बिना किसी रोक-टोक के बरसते हैं। अब ज़रा राजनीति के ढोल को देखो—शोर मचाए, चिल्ह-पों करे, मगर सुर की एक लकीर भी न पकड़ सके। कुर्सी के नीचे से ज़मीन खिसक जाए, तो ये सारे बादशाह मुँह के बल धड़ाम से गिर पड़ते हैं। मगर संगीत? वो तो ज़मीन पर कदम जमाकर आसमान को भी सलाम ठोकने पर मजबूर नहा देता है।

राशिफल



 मेष	आज आपका सोचा हुआ काम पूरे होंगे। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनाएंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा रहेगा। अचानक किसी स्रोत से आपको धन लाभ होगा।
 वृष	आज आपको इनकम में बढ़ोतारी के लिए किसी की मदद मिल सकती है। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी किसी काम के लिए आपकी तारीफ कर सकते हैं, इससे आपका मन खुश रहेगा। शाम को किसी दूर के रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है। काम को लेकर आपकी कई योजनाएं आज समय से पूरी हो जायेंगी।
 मिथुन	आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रसाते अपने आप खुलते जायेंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं। आपका नया कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा।
 कर्क	आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक उत्तार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। व्यापार की गति ठहरने से किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे, जिससे जल्द ही सबकुछ अच्छा हो जायेगा। आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनाएंगा।
 सिंह	आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। अनियमित दिनचर्या के कारण थोड़ा आलस्य और थकान बना रहेगा। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। परिवार के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतारी होगी। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशश करेंगे।
 कन्या	आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। मित्र आपसे सहयोग के लिए कह हसकता है, आप उनकी हर संभव मदद करेंगे। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी।

दायबटेली, बांदा

स्टैंडर्ड पालिक स्कूल लालगंज में नए सप्त के लिए प्रवेश परीक्षा हुई संपन्न

स्कूल ने मनाया सिल्वर जुबली वार्षिकोत्सव

लोकमित्र ब्लूरो

रायबरेली शहर के प्रभुतान स्थित राजाजंग चाइल्ड स्कूल का

वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ।

विद्यालय के प्रधान वर्ष पूर्ण होने के

उपस्थिति में : ऐसा वार्षिक थीम पर

आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की

मनोहरक प्रस्तुतियाँ विद्यालय के

बच्चों के द्वारा प्रस्तुति की गई।

समारोह का उद्घाटन जिलाधिकारी

रायबरेली हरिष्ठाना माथरे ने माँ सरस्वती

जी की प्रतिमा और दीप

प्रज्ञलित कर किया। इस अवसर पर

अपर जिलाधिकारी अमृता सिंह,

मुख्य न्यायिक

मजिस्ट्रेट पन्थ वन कुपर

सिंह, उपजिलाधिकारी नवदीप

शुक्ला, निपट के निदेशक

नंदन सिंह

बोगा, सिविल जज खेंडुन निशा,

दिल्ली एवं

अंजलि यादव विशेष रूप

से उपस्थिति रहे। प्रधानाचार्य सीमा

श्रीवास्तव ने आये हुए अंतिमों का

स्वागत करते हुए विद्यालय की

प्राप्ति

रायबरेली की प्राप्ति

रायबरेली में उपस्थिति

रायबरेली

रायबरेली में उपस्थिति

राय

